Roll No. ..... Total Pages: 04

4172

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2018

संस्कृत साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय दर्शन

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

इकाई – I

(क) तर्कभाषा के अनुसार कितने पदार्थों के तत्त्वज्ञान से मोक्ष की प्राप्ति होती है?

(ख) तर्कभाषा के अनुसार त्रिविध कारणों का उल्लेख कीजिए।

इकाई – II

(ग) तर्कभाषाकार द्वारा मान्य प्रमाणों का नामोल्लेख कीजिए।

(घ) षड्विध सन्निकर्षों के नामों का उल्लेख कीजिए।

इकाई – III

(ड़) सांख्यकारिका के अनुसार पाँच महा–भूत कौन–कौन से हैं?

(च) सांख्यकारिका के अनुसार पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ कौन –कौन सी है?

इकाई – IV

(छ) सांख्यकारिका के अनुसार अष्ट सिद्धियों के नाम बताइए।

(ज) सांख्यकारिका के अनुसार बुद्धि में स्थित भावों के चार कार्यों का कथन कीजिए।

इकाई – V

(झ) वेदान्त सार के अनुसार अनुबन्ध चतुष्ट्य कौन – कौन से हैं?

(ञ) वेदान्त सार के अनुसार जीवन्मुक्त के लक्षण का उल्लेख कीजिए।

खण्ड– ब

इकाई – I

प्र.2 निम्नलिखित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

ययोर्मध्ये एकमविनश्यद पराश्रितमेवावतिष्ठते तावयुतसिद्धौ। तदुक्तम् –

तावेवायुतसिद्धौ द्वौ विज्ञातव्यौ ययोर्द्वयोः।
अनश्यदेकम पराश्रितमेवावतिष्ठते।।

प्र.3 निम्नलिखित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

लिंगपरामर्शोऽनुमानम्। येन हि अनुमीयते तदनुमानम्। लिंगपरामर्शन चानुमीयतेऽतो लिंगपरामर्शोऽनुमानम्। तच्च धूमादि ज्ञानमनुमिति प्रति करणत्वात्। अग्न्यादिज्ञानमनुमितिः। तत्करणं धूमादिज्ञानम्।

इकाई – II

प्र.4 निम्नलिखित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

यानि तु साकांक्षाणि योग्यतावन्ति सन्निहितानि पदानि तान्येव वाक्यम्। यथा–ज्योतिष्टोमेन स्वर्गकामो यजेत – इत्यादि। यथा च – नदी तीरे पंचफलानि सन्ति – इति। यथा च तान्येव गामानय इत्यादि पदान्यविलम्बितोच्चरितानि।

प्र.5 प्रामाण्यवाद के सम्बन्ध में ग्रन्थकार के पक्ष का प्रतिपादन ज्ञानं हिमानस प्रत्यक्षेणैव गह्यते प्रामाण्यं पुनरनुमानेन के संदर्भ में कीजिए।

इकाई – III

प्र.6 निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

जन्ममरणकरणानां प्रतिनियमादयुगपत्प्रवृत्तेश्च।
पुरुषबहुत्वं सिद्धं त्रैगुण्यविपर्ययाच्चैव।।

प्र.7 निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

उभयात्मकमत्र मनः संकल्पकमिन्द्रियं च साधर्म्यात्।
गुणपरिणामविशेषान्नानात्वं बाह्यभेदाश्च।।

इकाई – IV

प्र.8 निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

एते प्रदीपकल्पाः परस्पर विलक्षणा गुणविशेषाः।
कृत्स्नं पुरुषस्यार्थं प्रकाश्य बुद्धौ प्रयच्छन्ति।।

प्र.9 निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

तस्मान्न बध्यतेऽद्धा न मुच्यते नापि संसरति कश्चित्।
संसरति बध्यते मुच्यते च नानाश्रया प्रकृतिः।।

इकाई – V

प्र.10 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

यथा वनस्य व्यष्ट्यभिप्रायेण वृक्षा इत्यनेकत्वव्यपदेशो यथा वा जलाशयस्य व्यष्ट्यभिप्रायेण जलानीति तथाज्ञानस्य व्यष्ट्यभिप्रायेण तदनेकत्वव्यपदेश ''इन्द्रो मायाभिः पुरुरूप ईयत'' इत्यादिश्रुतेः। अत्र व्यस्तसमस्त व्यापित्वेन व्यष्टिसमष्टिताव्यपदेशः।

प्र.11 निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः

स्थूल भूतानि तु पंचीकृतानि। पंचीकरणं त्वाकाशादिपंचस्वेकैकं द्विधा समं विभज्य तेषु दशसु भागेषु प्राथमिकान्पंचभागान्प्रत्येकं चतुर्धा समं विभज्य तेषां चतुर्णां भागानां स्वस्वद्वितीयार्धभागपरित्यागेन भागान्तरेषु संयोजनम्।

खण्ड– स

इकाई – I

प्र.12 तर्कभाषा के अनुसार अर्थापत्ति प्रमाण एवं उसके खण्डन की विवेचना कीजिए।

इकाई – II

प्र.13 तर्कभाषा के अनुसार हेत्वाभासों का विस्तार से निरूपण कीजिए।

इकाई – III

प्र.14 सांख्यकारिका के अनुसार त्रिविध अन्तःकरण की विवेचना कीजिए।

इकाई – IV

प्र.15 सांख्यकारिका के अनुसार सत्कार्यवाद को समझाइए।

इकाई – V

प्र.16 वेदान्तसार के अनुसार सूक्ष्म शरीर के तत्वों का विस्तार से वर्णन कीजिए।